सुपुर्दगी निगरानी इकाई (डी एम यू)

संसद के दोनों सदनों में जून, 2009 को राष्ट्रपति के भाषण के अनुसरण में, महत्वपूर्ण कार्यक्रमों/पहलों/दूरदर्शी परियोजनाओं की चुनिंदा संस्था में समीक्षा करने के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय में एक सुपुर्दगी निगरानी इकाई (डी एम यू) बनाने का निर्णय लिया गया था । संबंधित मंत्रालय द्वारा बताए गए आउटपुट के लिए निरंतर निगरानी के जरिए चुनिंदा कार्यक्रमों की प्रभावी सुपुर्दगी सुनिश्चित करना, कार्यान्वयन की कास्ट ट्रेकिंग और आवधिक समीक्षाओं के जरिए कठिनाइयों को दूर करना, चुनिंदा कार्यक्रमों/पहलों/परियोजनाओं का प्रभाव मूल्यांकन सुनिश्चित करते हुए इनके निष्पादन के संबंध में प्रत्येक तिमाही में प्रधानमंत्री को सूचित करना डी एम ओ का कार्य है और इससे यह सुनिश्चित किया जाएगा कि जहां तक संभव हो सके इन कार्यक्रमों/पहलों/परियोजनाओं से संबंधित जानकारी संबंधित मंत्रालयों द्वारा पब्लिक डोमेन में डाल दी गई है ! डी एम यू के अंतर्गत महात्मागांधी नरेगा, आई ए वाई, पी एम जी एस वाई और एन आर ओ डब्ल्यू पी शामिल किए गए हैं । (http:rural.nic.in/DMU.htm.)

4.11 परिणामी बजट की निगरानी

परिणामी बजट में मौटे तौर पर वास्तविक भौतिक कार्य निष्पादन और लक्ष्य निष्पादन को दर्शाते हुए वित्तीय बजट के वास्तविक आयामों को दर्शाया जाता है । परिणामी बजट न केवल मध्यस्तरीय वास्तविक परिणाम, जिसे आसानी से मापा जा सकता है, का पता लगाने का साधन है, बल्कि उन निष्कर्षों को भी जानने का माध्यम है जो कि राज्य की पहल के अंतिम उद्देश्य हैं ।